पो. रजि. नं. जयपुर सिटी/011/2024-2026, आरएनआई रजि नं. 48910/91 fb/seemasandesh1951 seemasandesh1951@gmail.com 0141-2700113 ■ जयपुर-श्रीगंगानगर (राज.) से एक साथ प्रकाशित ■ जोधपुर, कोटा, नागौर से प्रसारित

1951 में स्थापित

सीमा सन्देश

संस्थापक स्व. श्री कमल नयन शर्मा

ताकत किसान की, जवान की

सबसे उत्तम तीर्थ
अपना मन है जो
विशेष रूप से शुद्ध
किया हुआ हो
-स्वामी शंकराचार्य

■ वर्ष : 34 ■ अंक : 81 ■ मूल्य : रु. 2.00 ■ पृष्ठ : 08 जयपुर, शुक्रवार, 20 सितम्बर, 2024 ऑनलाइन पढ़ें : epaper.seemasandesh.in

उपचुनाव को लेकर... 8

हिंदीतर भाषियों को हिंदी सिखाना भी हिंदी की बड़ी सेवा : डॉ. पी सी पंचारिया

◆ सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

पिलानी (सीमा सन्देश सं)। सीएसआईआर - केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान(सीरी), पिलानी में आयोजित हिंदी सप्ताह का समापन हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने हिंदी सप्ताह के दौरान तथा वर्ष पर्यन्त आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

संस्थान में लागू राजभाषा प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत भी सहकर्मियों को प्रशस्तिपत्र भेंट किए गए। हिंदी में सर्वाधिक एवं विशिष्ट कार्य करने वाले प्रशासनिक, तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुभागों/प्रभागों को राजभाषा चल वैजयंती प्रदान की गई। प्रशासनिक वर्ग में भंडार एवं क्रय अनुभाग तथा तकनीकी वर्ग में विद्युत इंजीनियरी प्रभाग तथा वैज्ञानिक वर्ग में संस्थान के परियोजना प्रबंधन एवं मूल्यांकन समूह को राजभाषा चल वैजयंती प्रदान की गई। संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और सभी सहकर्मियों को अपने संस्मरण साझा करते हुए कार्यालयी कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोने में हिंदी की बड़ी भूमिका रही है। हिंदी को देश की सर्वमान्य संपर्क भाषा बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारा संस्थान लघु भारत का श्रेष्ठ उदाहरण है जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों के अलग-अलग भाषा-भाषी सेवारत हैं।

इसलिए सभी सहकर्मियों का दायित्व है कि वे अन्य हिंदीतर भाषी सहकर्मियों को हिंदी सिखाएँ और उन्हें हिंदी बोलने-समझने में सहायता करें। यह भी हिंदी की बड़ी सेवा होगी। उन्होंने कहा कि कार्यालयी शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ यह प्रयास भी महत्वपूर्ण है। अंत में उन्होंने पुनः सभी विजेताओं को प्रतिभागियों को बधाई दी। मुख्य वैज्ञानिक एवं हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ सुचंदन पाल ने हिंदी सप्ताह एवं वर्षपर्यन्त आयोजित हिंदी गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। सहकर्मियों से अपील की कि संकोच को त्याग कर अपने सरकारी और निजी कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करें। इससे पूर्व कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ हिंदी अधिकारी रमेश बौरा ने सभी अधिकारियों व सहकर्मियों को बताया कि यह वर्ष हिंदी दिवस भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा हीरक जयंती के रूप में मनाया गया। उन्होंने गृहमंत्री के हिंदी दिवस संदेश के प्रमुख बिंदुओं को भी उद्धृत किया।

अंत में प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया एवं सभी अधिकारियों, निर्णायकों व प्रतिभागियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।